6

"कथक नृत्य"

एम.ए.

परीक्षा स्कीम 70 - 30 रहेगी

प्रथम – सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र

समय – 3 घंटा पूर्णांक – 100

सत्र 2008-10 एवं 2011-13

ई. 1. भारतीय नृत्य कला इतिहास – (प्रागैतिहासिक काल, वैदिककाल, पुराणकाल, रामायण और महाभारत काल।)

ई. 2. आचार्य भरत के नाट्यशास्त्र के अनुसार नाट्यवेद का निर्माण, नाट्यावतरण, और नाट्य की महिमा का अध्ययन।

ई. 3. भारतीय शास्त्रीय नृत्यों का अध्ययन – (कथक, भरतनाट्यम, कथाकली, मणीपुरी।)

ई. 4. आचार्य नंदिकेश्वर के अभिनय दर्पण के अनुसार ~~उन संयुक्त~~ असंयुक्त हस्त, मुद्राओं का अध्ययन।

ई. 5. निम्नलिखित ग्रंथों और उनके रचनाकारों का परिचायात्मक अध्ययनः–

(1) नाट्यशास्त्र ------------------ आचार्य भरतमुनि

(2) अभिनयदर्पण ---------------- आचार्य नंदिकेश्वर।

द्वितीय प्रश्न पत्र

समय – 3 घंटा　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　पूर्णांक – 100

ई. 1. कथक नृत्यकला से संबंधित विषयों पर निबंध :–

(i) भारतीय शास्त्रीय नृत्य।

(ii) नाट्यावतरण।

(iii) ~~रूथक~~ कथक नृत्य में गुरू.शिष्य परम्परा।

(iv) कथकनृत्य में भाव प्रदर्शन।

ई. 2. तीनताल में निम्नलिखित बोलों को लिपिबहद करने का अभ्यासः–

आमद, परन, तोड़ा, कवित्त और तिहाईयाँ तथा चक्रदार आदि।

ई. 3. निम्नलिखित विषयों का अध्ययन :–

(i) कथक नृत्य की मंच प्रस्तुती।

(ii) कथक नृत्य ~~सी~~ की वेशभूषा, रूप सज्जा और वाद्यवंद।

ई. 4. रूथक नृत्य के भाव पक्षों का अध्ययन :–

गतभाव, कुमरी भाव, वंदना भाव।

ई. 5. निम्नलिखित कथक – गुरूवों का जीवन परिचय और योगदान का अध्ययनः–

बिंदादीन महाराज, कालका महाराज, अच्छन महाराज, और लच्छू महाराज।

प्रथम सेमेस्टर

प्रायोगिक खण्ड

प्रथम – प्रायोगिक (वायवा)

समय – 1 घंटा पूर्णांक – 100

ई. 1. तीन साल 16 मात्रा में।
2 आमद, 10 तोड़े, 5 परने, चतस, एवं तिस्, आदि जातियों के, 3 कविता (राधाकृष्ण, शिव पार्वती आदि से सम्बंधित), और तिहाईयों का अभ्यास।

ई. 2. गतविकास – छूट, घूंघट और मुरली के के प्रकारो का अध्ययन।

ई. 3. गतभाव – पनिहारिन।

ई. 4. ततकार – ततकार के प्रकारों अथवा शायद या रेला का अभ्यास।

ई. 5. भाव अंग – ठुमरी अथवा भजन पर भाव नृत्य।

द्वितीय – प्रायोगिक – खंड

समय – 1 घंटा पूर्णांक – 100

ई. 1. आमंत्रित दर्शको के समक्ष स्वतंत्र नृत्य करने की क्षमता।

ई. 2. ताल त्रिताल में पूर्ण नृत्य प्रदर्शन।

ई. 3. गतविकास एवं गतभावों का प्रदर्शन।

ई. 4. ततकार का प्रदर्शन।

ई. 5. ठुमरी भाव प्रदर्शन।

द्वितीय – सेमेस्टर

प्रथम – प्रश्न पत्र

समय – 3 घंटा पूर्णांक – 100

ई. 1. (i) आचार्य भरत के नाट्यशास्त्र के अनुसार रस निष्पत्ति सिद्धांन्त का अध्ययन।

(ii) नव रसों का अध्ययन।

ई. 2. आचार्य भरत के नाट्यशास्त्र के अनुसार रंगमंच का अध्ययन।

ई. 3. आचार्य नंदिकेश्व के अभिनय–दर्पण के अनुसार संयुक्त और दशावतार हस्तो का अध्ययन।

ई. 4. नायक–नायिका भेदों का अध्ययन।

ई. 5. अभिनय भेदों का विस्तारपूर्वक अध्ययन।

द्वितीय प्रश्न पत्र

समय – 3 घंटा   पूर्णांक – 100

ई. 1. निबंध

(i) कथकनृत्य और नवरस।

(ii) कथकनृत्य और अभिनय भेद।

(iii) कथक नृत्य और नायिका भेद।

(iv) कथक नृत्य और हस्तमुद्राऐं।

ई. 2. तीनताल मे विभिन्न बोल बंदिशों को लिपिबहद करने का अभ्यास।

ई. 3. सवारी में विभिन्न बोल बंदिशों को लिपिबहद करने का अभ्यास।

ई. 4. (i) नाट्य नृत्त और नृत्य का अध्ययन।

(ii) ताण्डव और लाष्य का अध्ययन।

ई. 5. गुरूवों का जीवन परिचय और योगदान का अध्ययन :–

जयलाल महाराज, नारायण प्रसाद, दुर्गालाल, सितारादेवी,।

द्वितीय सेमेस्टर

प्रायोगिक खंड

प्रथम प्रायोगिक

समय – 1 घंटा पूर्णांक – 100

ई. 1. गुरूवंदना अथवा किसी भी देवी – देवताओं पर आधारित श्लोकों पर वंदना (भाव) का अभ्यास।

ई. 2. ताल सवारी में –

2 आमद, 5 तोड़े, 5 परन (तिस्र मिश्र चतस्र) जाति के, चक्करदार कवित्त आदि का अभ्यास।

ई. 3. गतविकास – प्रथम सेमेस्दर के गत निकासों में दक्षता एवं रूकसार का निकास।

ई. 4. गतभाव – (i) पनिहारिन

(ii)ततकार में कायदा अथवा रेला आदि का प्रदर्शन।

ई. 5. (i) प्रथम सेमेस्टर में तीनताल सभी नृत्य विषयों का अध्ययन।

(ii) ठुमरी अथवा भजन में भाव नृत्य।

द्वितीय प्रायोगिक

समय – 1 घंटा पूर्णांक – 100

ई. 1. आमंत्रित दर्शकों के समक्ष पूर्णनृत्य प्रदर्शन का अभ्यास।

ई. 2. तीनताल अथवा सवारी में पूर्ण नृत्य करने का अभ्यास।

ई. 3. गतभाव – होली या पनिहारिन।

ई. 4. ततकार – ततकार में लग्गी, लड़ी का प्रदर्शन।

ई. 5. भावअंग – ठुमरी/भजन पर नृत्य।

तृतीय – सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र

ई. 1. आचार्य भरत के नाट्यशास्त्र के अनुसार निम्नलिखित विषयों का ~~अध्यक्ष~~ अध्ययन :–

(i) करण और अंगहार।

ई. 2. आचार्य भरत के नाट्यशास्त्र के अनुसार भावों का अध्ययन।

ई. 3. (i) रासलीला का अध्ययन और कथक नृत्य से संबंध।

(ii) लोक नृत्य की उत्पत्ति, विकास, सामाजिक और धार्मिक महत्व।

ई. 4. कथक नृत्य के विकास में निम्नलिखित राजदरबारों के योगदान का अध्ययनः

(i) लखनऊ (ii) रायगढ़।

ई. 5. निम्न–लिखित ग्रंथों और उनके ग्रंथकारों का परिचयात्मक अध्ययनः–

(i) संगीत–दर्पण – आचार्य शार्ङ्गदेव।

(ii) भाव प्रकाशन – आचार्य शारदातनय।

(iii) अभिनव भारती – अभिनव गुप्त।

द्वितीय प्रश्नपत्र

समय – 3 घंटा

पूर्णांक – 100

ई. 1. निबंधलेखन –

(i) कथक नृत्य के विकास में राजदरबारों का योगदान।

(ii) कथक नृत्य के ~~कवकास~~ विकास में शिक्षण संस्थाओं का योगदान।

IV ~~(iii)~~ कथक नृत्य के विकास में शिष्य–शिष्यायों (विद्यार्थियों) का योगदान।

(iii) कथक नृत्य के विकास में गुरुवों का योगदान।

ई. 2. तीनताल में विभिन्न पोल ~~नस्जों~~ परनों को लिखने का अभ्यास।

ई. 3. ~~सिखर~~ शिखर और रूद्र में विभिन्न बोल ~~परजों~~ परनों को लिखने का अभ्यास।

ई. 4. जीवन परिचय एवं योगदान :

पं. कार्तिकराम, पं. कल्याणदास, पं. रामलाल और डॉ. पी.डी.आशीर्वादम।

ई. 5. (i) उत्तर भारतीय तालपद्यतियों का अध्ययन :

(क) विष्णु दिगम्बर पुलस्कर।

(ख) विष्णु नारायण ~~भूत खेडे~~ भात खंडे।

(ii) आचार्य नंदिकेश्वर के अभिनय दर्पण के अनुसार जातिय हस्तों का अध्ययन।

तृतीय सेमेस्टर

प्रायोगिक खंड

प्रथम प्रायोगिक

समय – 1 घंटा पूर्णांक – 100

ई. 1. तीन ताल में पूर्ण नृत्याभ्यास।

ई. 2. ताल शिखर और रूद्र में नृत्यभ्यास निम्न प्रकार :
आमद 2, तोडा–5, परन 5, (तिस्र मिश्र खंड़) आदि जातियों के। कवित्त–2, और तिहाईयॉ आदि।

ई. 3. गतविकास – प्रथम और द्वितीय सेमेस्टर के निकासों में पूर्ण दक्षता के साथ साथ निम्नलिखित विकासों का अभ्यास :–
कटार, तलवार नाव, तीर–कमान आदि।

ई. 4. ततकार :– ततकार द्वारा विभिन्न ~~लयस्कारियॉ~~ लयकारियॉ और ~~फायदा~~ कायदा अथवा रेला का अध्ययन।

ई. 5. (i) तिरवट अथवा चतुरंग का अभ्यास।
(ii) गतभाव – गोवर्धन लीला अथवा कालियादमन।

द्वितीय प्रायोगिक खंड़

समय – 3 घंटा पूर्णांक – 100

ई. 1. आमंत्रित श्रोताओं के सामने नृत्य प्रदर्शन करने की क्षमता।

ई. 2. तालशिखर अथवा रूद्र में नृत्य करने की क्षमता।

ई. 3. गतभाव – कालियादमन अथवा गोवर्धनलीला का प्रदर्शन।

ई. 4. ततकार – ततकार का प्रदर्शन और ~~फायदा~~ कायदा अथवा रेला का प्रदर्शन।

ई. 5. तिरवट अथवा चतुरंग का प्रदर्शन।

चतुर्थ सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र

समय – 3 घंटा पूर्णांक – 100

ई. 1. आचार्य भरत के नाट्य शास्त्र के अनुसार पूर्व रंग का अध्ययन।

ई. 2. अभिनय दर्पण के अनुसार –
देव हस्तर, बांधव हस्त और नवग्रह हस्तों का अध्ययन।

ई. 3. ताल के दश प्राणों का अध्ययन।

ई. 4. (i) निम्नलिखित शास्त्रीय नृत्यों काअध्ययनः–
मोहनी अष्ट्म, ओड़िसी और कुचीपुड़ी।
(ii) अभिनय दर्पण के अनुसार गति भेदो का अध्ययन।

ई. 5. निम्नलिखित विषयों का अध्ययन :(संक्षिप्त):
स्थानक, चारी, पाद भेद, मंडल भेद।

द्वितीय प्रश्नपत्र

समय – 3 घंटा　　　　　　　　　　　　　　　　　　　पूर्णांक – 100

ई. 1.　निबंध लेखन :–

(i) कथक नृत्य में पूर्व रंग।

(ii) कथक नृत्य में ताल और ~~कार्य~~ लय।

(iii) कथक नृत्य का प्रस्तुतीकरण।

(iv) कथक नृत्य और अध्यात्म।

ई. 2.　तीनताल में बोल ~~मस्ज~~ परण लिपिबहद करना।

ई. 3.　धमार और चौतल में बोल– ~~मस्ज~~ परण लिपिबहद करना।

ई. 4.　कथक नृत्य में नृत्य नाटिंका संरचना का अभ्यासः
पंचवटी, द्रौपदीवस्त्रहरण और माखनचोरी।

ई. 5.　गुरूवों का जीवन परिचय और कथक नृत्य में योगदानः–
पं. बिरजू महाराज, पं. शम्भू महाराज, पं. गोपीकृष्ण।
पं. तीरथ राम आजाद।

चतुर्थ सेमेस्टर
प्रायोगिक खंड
प्रथम प्रायोगिक

समय – 1 घंटा पूर्णांक – 100

ई. 1. (i) तीनताल में पूर्ण नृत्यः का अभ्यास।

(ii) तीनताल में निम्न बातों का अध्ययनः दलबादल, कड़क बिजली, पक्षी परन, दर्जा, नवहक्का, जातिपरन, त्रिपल्ली, चौपल्ली, अतीत, अनागत आदि।

ई. 2. धमार और चौताल में पूर्ण नृत्याभ्यासः–

2 आमद, 5 तोड़ा, 5 परन, 2 कपित, 2 चक्करदार एवं तिहाई आदि।

ई. 3. (i) गतविकास – प्रथम, द्वितीय और तृतीय सेमेस्टर की गतभावों में दक्षता।

(ii) गतभाव –दौपद्री चीरहरण अथवा माखन चोरी अथवा पंचवटी।

ई. 4. ततकार – विभिन्न लयकारियों एवं अन्य प्रकारों तथा लग्गी–लड़ी का दक्षता पूर्ण प्रदर्शन।

ई. 5. (i) भावअंग – ठुमरी पर नृत्य।

(ii) तिरवट, चतुरंग और तराना।

द्वितीय प्रायोगिक खंड

समय – 1 घंटा पूर्णांक – 100

ई. 1. आमंत्रित दर्शको के मध्य नृत्य प्रदर्शन करने की क्षमता, दक्षतापूर्ण।

ई. 2. दल बादल, कड़क बिजली, पक्षी परन, दर्जा, नवहक्का, जाति परन, त्रिपल्ली, चौपल्ली, अतीत, अनागत आदि का प्रदर्शन।

ई. 3. धमार और चौताल में नृत्य प्रदर्शन करना।

ई. 4. तिरवट चतुरंग, तराना आदि में से किसी एक प्रदर्शन।

ई. 5. (i) ठुमरी भाव नृत्य प्रदर्शन।
(ii) ततकार का प्रदर्शन।